आइआइएम इंदौर का 24वां स्थापना दिवस संपन्न

केवल सुनकर न दें प्रतिक्रिया, विचार-विमर्श करने के बाद ही लें निर्णय

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ हमें केवल सुनकर ही अपनी प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, बल्कि सामने वाला व्यक्ति क्या कह रहा है, उसे समझने के लिए उसकी बात सुनें। यह हमें चिंतनशील श्रोता बनाता है, वहीं अगर कोई निर्णय लेना है, तो वह त्वरित न हो, बल्कि हर पहलू को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाना चाहिए, तभी हम एक संवेदनशील व्यक्ति बन सकते हैं। यह बात आइआइएम इंदौर के निदेशक प्रोफेसर हिमांशु राय ने आइआइएम इंदौर के 24वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कही। इस साल सुरक्षा दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें निदेशक प्रोफेसर हिमांशु राय, आइआइएम इंदौर के मुख्य प्रशासनिक आधिकारी कर्नल गुरुराज गोपीनाथ पामिडि और स्टाफ के कुछ सदस्य शामिल हुए।

संवेदनशील बनने के लिए तीन बातों का रखें ध्यान

प्रोफेसर राय ने संवेदनशील बनने के लिए तीन बातों का ध्यान रखने को कहा। उन्होंने कहा एक संवेदनशील व्यक्ति के लिए जरूरी है कि वह चिंतनशील होकर सुनें, अहंकार से दूर हों और उचित विचार-विमर्श के बाद ही कोई निर्णय लें। उन्होंने कहा कि जिस तरह चिंतनशील होकर सुनने के लिए किसी बात को सुनकर प्रतिक्रिया देने से ज्यादा यह समझना जरूरी है कि आखिर वह बात क्यों कही गई, उसी तरह अहंकार रहित होने से मतलब है कि आप केवल यह न सोचें कि दूसरा आपको महत्व दे रहा है या नहीं, बल्कि अपना आत्म सम्मान बनाए रखें और ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे बाद में शर्मिंदा होना पड़े।

वर्तमान समय को देखकर करें नए अवसरों की तलाश

इंदौर ◆ हमें हमेशा उसी अवसर की तलाश करनी चाहिए जो नया हो और वर्तमान में सामने हो। जैसे-जैसे अवसर बढ़ते हैं, आप भी स्वाभाविक रूप से व्यक्तिगत प्रगति की ओर अग्रसर होते जाते हैं। यदि संपूर्ण इमानदारी के साथ नए अवसर तलाशेंगे तो, तो वे जरूर आपके पास आएंगे। वर्तमान समय की मांग एवं आवश्यकता को देखकर ही नए अवसर तलाशने चाहिए। यह बात आइआइएम इंदौर और आइआइटी इंदौर द्वारा आयोजित आइ 5 समिट के दूसरे दिन स्पीकर सीरीज में स्टॉक एज के सह-संस्थापक विवेक बजाज ने कही। युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा 'न्यू इंडिया' अपने स्वयं के वैंचर शुरू करने का सबसे अच्छा समय है। यह अवसरों से भरा है। युवाओं को इस दिशा में सोचना चाहिए। इसके अलावा कार्यक्रम में कोविड -19 के 'न्यू नॉर्मल' में विविधता और स्थिरता की भूमिका पर एक व्यावहारिक पैनल डिस्कशन हुआ।

आइ-5 समिट के दूसरे दिन पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

Patrika, October 4, 2020, Page no-6

आयोजन आईआईएमई इंदौर ने मनाया 24 वां स्थापना दिवस, निदेशक प्रो. हिमांशु राय ने कहा-

'विचार-विमर्श के बाद निर्णय लेना संवेदनशील होने की निशानी'

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9993777268

आईआईएम इंदौर ने अपना 24 वां स्थापना दिवस 3 अक्टूबर को मनाया। इस वर्ष सुरक्षा दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए छोटी अवधि के इस कार्यक्रम में आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रोफेसर हिमांशु राय, कर्नल गुरुराज गोपीनाथ पामिडि, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, आईआईएम इंदौर और कुछ संकाय और स्टाफ के सदस्य शामिल हुए। प्रोफेसर राय ने अपने स्थापना दिवस संबोधन में संवेदनशील होने के पहलुओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि चिंतनशील होकर सुनना, अहंकार से रहित होना और उचित विचार-विमर्श के बाद ही कोई निर्णय लेना। हमें एक चिंतनशील श्रोता बनने की आवश्यकता है, अर्थात समझने के लिए सुनें। मात्र सुन कर प्रतिक्रिया न दें, और यह करुणा का पहला पहलू है। दूसरा पहलू अहंकार से रहित होना है, यानि सिर्फ यह न सोचें कि सामने वाला व्यक्ति आपको उचित महत्व और सम्मान दे रहे हैं या नहीं। बल्कि आत्म-सम्मान रखें और अपने सिद्धांतों और मूल्यों का पालन करें, जिससे हम यह सुनिश्चित करें कि हम कोई ऐसा कार्य न करें जिससे हम खुद बाद में शर्मिंदा हों और खुद से ही नज़रें न मिला सकें।

स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. हिमांशु राय।

श्रेष्ठ शिक्षकों और स्टॉफ को पुरस्कार

संस्थान ने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों और सर्वश्रेष्ठ स्टाफ सदस्यों के लिए एक पुरस्कार समारोह भी आयोजित किया।

- सर्वश्रेष्ठ शिक्षक : प्रोफेसर बिपुल कुमार, प्रोफेसर श्रीहरि एस. सोहानी
- सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार : अजय कुमार दास, मनीष कुमार नामदेव, राकेश कौशल, शान्ति जनार्दन, उवेश मोहम्मद एफ. चोबदार
- स्टाफ सदस्य को अवॉर्ड : दिनेश कुमार, जितेन्द्र सिंह यादव, कमलेश भाटिया, रवि जिंगर, समर्थ शुक्ला
- इसके अलावा, संस्थान में 10/20 साल की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। वर्ष के दौरान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्टाफ के सदस्यों को भी सम्मानित किया गया।

हिंदी क्विज के विजेताओं को पुरस्कार दिया

संस्थान के राजभाषा विभाग ने हिंदी दिवस के अवसर पर एक 'हिंदी क्विज' भी आयोजित किया था और विजेताओं को स्थापना दिवस पर पुरस्कार दिए गए। आईआईएम इंदौर की हिंदी पत्रिका- ज्ञान शिखर के पांचवें संस्करण का भी इस अवसर पर विमोचन किया गया।

Peoples Samachar, October 4, 2020, Page-4

IIM-I turns 24, celebrates day keeping Covid in mind

Best staff member awardees pose for a group photo with IIM Indore director Prof Himanshu Rai

OUR STAFF REPORTER
Indore

IIM Indore celebrated its 24th Foundation Day on Saturday strictly adhering to Covid-19 protocol. Even though the celebrations this year were low key keeping in mind the safety guidelines, the community members were passionate about observing the glorious 24 years of the Institute. The short-duration event witnessed the presence of IIM Indore director Prof Himanshu Rai along with CAO Col Gururaj Gopinath Pamidi, and a few faculty and staff members.

Rai in his foundation day address shared the three aspects of being compassionate-reflective listening, being devoid of ego and acting only after due deliberation. "You need to be a reflective listener, i.e. listen to understand and not just respond, and that is the first aspect of compassion. The second aspect is being devoid of ego, which is all about worrying whether people are giving you due importance and respect or not. However, self-respect is all about following your own principles and values and not doing anything which we ourselves feel ashamed of. The real character of a person lies with what he does when nobody is watching," he said.

He said that they need to keep in mind everyone-even the ones who aren't present while they take the decision. "Hence we need to act only after due deliberation-consider the interests of those as well who have disadvantage."

Rai said, "This is the kind of institution we aim to be, which is built on the foundations of equality, goes the extra mile to ensure that we do something to mitigate the discomfort and pain of other people."

On this occasion, the institute also held an award ceremony for the Best Teachers and Best Staff Members of the year.

Apart from this, employees who have completed their 10/20 years of dedicated service at the institute were also felicitated. Felicitations for the staff members for their outstanding performance during the year also took place.

The Official Language Department of the Institute had also conducted a 'Hindi Quiz' on the occasion of Hindi Diwas and the winners received their prizes on Foundation Day. IIM Indore's in-house Hindi Magazine- Gyaan Shikhar's fifth edition was also released on this occasion.

BEST TEACHER AWARD

Professor Bipul Kumar, Professor Shrihari S Sohani

BEST STAFF AWARD

Ajaya Kumar Dash, Manish Kumar Namdeo, Rakesh Kaushal, Santhi Janardanan, Uveshmohammad F Chobdar

STAFF MEMBERS FOR EXCEEDINGLY GOOD PERFORMANCE

Dinesh Kumar, Jitendra Singh Yadav, Kamlesh Bhatia, Ravi Jingar, Samarth Shukla.

Free press, October 4, 2020, Page no-2

महामारी से बचाव का एकमात्र प्रबंध; हर चेहरे पर मास्क, आपस में दूरी

इंदौर | आईआईएम इंदौर ने शनिवार को अपना 24वां स्थापना दिवस मनाया। आयोजन में मास्क लगाने से लेकर सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा। डायरेक्टर प्रोफेसर हिमांशु राय ने कहा हमें एक चिंतनशील श्रोता बनने की आवश्यकता है। हमें चाहिए कि हम समझने के लिए सुनें, मात्र सुनकर प्रतिक्रिया न दें, क्योंकि यही करुणा का पहला पहलू है। सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार प्रो बिपुल कुमार और प्रो श्रीहरि एस सोहानी को दिया गया। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कर्नल गुरुराज गोपीनाथ पामिडि और चुनिंदा स्टाफ शामिल हुआ।

Dainik Bhaskar, October 4, 2020, Page no-2

IIM felicitates teachers and staff on 24th foundation day

Indore: Indian Institute of Management (IIM), Indore celebrated its 24th foundation day on Saturday and held an award ceremony to felicitate teachers and staff.

Sharing the three aspects of being compassionate, IIM-I director professor Himanshu Rai said, "You need to be a reflective listener so as to understand and not just to respond. The second aspect is being devoid of ego, which is all about worrying whether people are giving you due importance and respect or not. The real character of a person lies with what a person does when nobody is watching."

Rai said they aim to be an institution built on the foundations of equality, going the extra mile to ensure that we do something to mitigate the discomfort and pain of other people. Professor Bipul Kumar and Professor Shrihari S. Sohani was awarded the Best Teacher Award on the occasion. TNN

Times of India, October 4, 2020, Page no-2